जलवायु परिवर्तन जीवन के लिए गंभीर चुनौती, समाधान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

- राम निरीक्षण आत्मा राम महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने की चर्चा
- महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

प्रकाश कुमार
दैनिक जागरण

जागरण संवाददाता, समस्तीपुर : राम निरीक्षण आत्मा राम महाविद्यालय के भूगोल विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जलवायु परिवर्तन के मानव जीवन पर प्रभाव विषयक संगोष्ठी आयोजित हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत भाषण के साथ हुआ। इस दौरान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। अध्यक्षीय संबोधन में प्रधानाचार्य प्रो. दिलीप कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक समस्या बन चुकी है, जिसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को इस क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करते हुए सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाने पर बल दिया।

मुख्य वक्ता जीडी कालेज, बेगूसराय के भूगोल विभागाध्यक्ष रविकांत आनंद ने कहा कि बदलते मौसम, बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक आपदाएं मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य ने ध्वनि अभिलेखन के माध्यम से पूर्व में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। संचालन सहायक प्राध्यापिका डा. गुड़िया कुमारी ने किया। मौके पर प्रो. अभय कुमार सिंह, डा. संजय कुमार महतो, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. अनिलेश, डा. राजीव रौशन, डा. प्रेमलता शर्मा, डा. अर्चना कुमारी, डा. स्मिता कुमारी, डा. दीपान्विता भट्टाचार्य, डा. दीपक कुमार नायर, डा. चंद्रशेखर सिंह, डा. गंगेश कुमार, डा. बीरेंद्र कुमार दत्ता, डा. मुकेश कुमार, डा. अमित कुमार, डा. प्रतिमा प्रियदर्शनी, डा. रत्न कृष्णा झा, डा. बबीना सिन्हा, डा. राम कुमार रमन, डा. कमल उद्भव झा, डा. अमित आनंद, डा. प्रमोद कुमार, मृत्युंजय कुमार, ठाकुर भारतेन्दु, मुकेश कुमार, प्रभाष कुमार, नीतीश कुमार, श्वेता अग्रवाल, अमित कुमार, सोनू कुमार, रौशन कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

राम निरीक्षण आत्मा राम महाविद्यालय में संगोष्ठी में अतिथि, प्राचार्य व अन्य • जागरण

जलवायु परिवर्तन सामाजिक-आर्थिक चुनौती

भूगोल विभागाध्यक्ष प्रभु सिंह गोंड ने कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक समस्या भी है। उन्होंने छात्रों से इस विषय पर गंभीरता से अध्ययन करने तथा व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। वहीं, सहायक प्राध्यापिका डा. पिंकी कुमारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं एवं ग्रामीण समुदायों पर पड़ता है। उन्होंने सभी से अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने की अपील की।